

कबीर उत्सव



3-4 अगस्त, 2013 को केन्द्र ने साहित्य अकादमी, नई दिल्ली के सहयोग से “कबीर उत्सव” का आयोजन किया गया। इस वैचारिक संगोष्ठी में देश के विभिन्न ख्यातिलब्ध विद्वानों ने भाग लिया तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम में लोक कलाकारों द्वारा कबीर के पदों का गायन हुआ।

Shaping a New Cultural Studies of India
भारत के सांस्कृतिक अध्ययन के स्वरूप का निर्माण
अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी



23–24 दिसंबर 2013 को केन्द्र द्वारा एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ जिसका विषय था— “*Shaping a New Cultural Studies of India : भारत के सांस्कृतिक अध्ययन के स्वरूप का निर्माण*”। इस संगोष्ठी में प्रो० जी०सी० त्रिपाठी, प्रो० पुरुषोत्तम अग्रवाल, प्रो० कमल मेहता, प्रो० ए०के० सिंह जैसे ख्यातिलब्ध विद्वानों ने भाग लिया।

**Compilation Preparation of Archive & Digitization of
Mahamana's Works : महामना अभिलेखागार एवं वीथिका
कार्यशाला**



17 जनवरी, 2014 को “*Compilation Preparation of Archive & Digitization of Mahamana's Works : महामना अभिलेखागार एवं वीथिका*” निर्माण कार्य को गति प्रदान करने हेतु देश के विभिन्न अभिलेखागारों के वरिष्ठ अधिकारियों की एक कार्यशाला का आयोजन केन्द्र द्वारा किया गया।

वर्तमान समाज और मानव मूल्य राष्ट्रीय संगोष्ठी

06-07 फरवरी, 2015 को केन्द्र द्वारा एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ जिसका विषय था- “वर्तमान समाज और मानव मूल्य”। इस संगोष्ठी में प्रो० कुमार पंकज, प्रो० अजित नारायण त्रिपाठी, प्रो० पवन शर्मा, (अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय, भोपाल), प्रो० रामहर्ष सिंह, प्रो० सिद्धनाथ उपाध्याय, ‘पद्मश्री’ प्रो० बेटिना बामर, प्रो० अवधेश प्रधान, प्रो० आनन्द मिश्र, प्रो० संजय गुप्ता, प्रो० संजय कुमार शर्मा, प्रो० सुनील कुमार सिंह, प्रो० कविता शाह, प्रो० सुमन जैन, प्रो० कमलशील, प्रो० रमेश चन्द पण्डा जैसे ख्यातिलब्ध विद्वानों एवं विभिन्न संकायो के अध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया।



08-10 फरवरी 2012 तक राष्ट्रीय संगोष्ठी-सह-कार्यशाला
का आयोजन



मालवीय मूल्य अनुशीलन केन्द्र द्वारा आयोजित विशिष्ट अतिथि व्याख्यान की शृंखला 08-10 फरवरी 2012 तक राष्ट्रीय संगोष्ठी-सह-कार्यशाला का आयोजन राधाकृष्णन हाल, कला संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में हुआ। जिसके मुख्य वक्ता प्रो० जगमोहन सिंह राजपूत (पूर्व निदेशक एन.सी.ई.आर.टी. एवं पूर्व अध्यक्ष एन.सी.टी.ई., नई दिल्ली) एवं विशिष्ट वक्ता प्रो० डी० राजागनेशन (पूर्व विभागाध्यक्ष शिक्षा विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई) और अध्यक्ष प्रो० अजीत नारायण त्रिपाठी (अवकाश प्राप्त आचार्य इलेक्ट्रिकल इंजिनियरिंग, प्रौद्योगिकी संस्थान, का.हि.वि.वि. एवं पूर्व समन्वयक, मालवीय मूल्य अनुशीलन केन्द्र, का.हि.वि.वि.) थे।

(Seminar on Bioethics)

tō vkpkj "kkL= ij l æksBh

Ekkyoh; eŵ; vuŋkhyu dñnz }kjk tō vkpkj "kkL= ij , d fnol h;
jk'Vh; dk; Z'kkyk l g l æksBh dk vk; kstu fnukd 18 fnl Ecj] 2006 dks
dk"kh fglunw fo"fo | ky; ds iks| kfxdh l l Fkku ds esdsudy batifu; fja
foHkkx ds th&7 l Hkkxkj ea fd; k x; kA ftl dk fo'k; Fkk&ftuke vkj ekuo
Dyksux ds tō vkpkjh; i{k (Bioethical issues of Genomic Research and
cloning)A l feukj ds eq; vfrfFk ineJh MkW ykyth fl g funskd]
l y; yj , .M ekysdyj ck; kskth l l Fkku] ghjkcn½ FkA lekjk dh
v/; {krk ineJh iks , e0, l 0 dkumxk, ejv l iks j] tho foKku foHkkx]
dk"kh fglunw fo"fo | ky; us dhA

(Seminar on Environmental Ethics 'Envethics')

lk; kbj .k vkpkj "kkL= ij l æksBh

Ekkyoh; eŵ; vuŋkhyu dñnz }kjk lk; kbj .k vkpkj "kkL= ij nks fnol h;
jk'Vh; dk; Z'kkyk l g l æksBh dk vk; kstu fnukd 17&18 ekp] 2007 "kfuokj
dks dk"kh fglunw fo"fo | ky; ds iks| kfxdh l l Fkku ds esdsudy] batifu; fja
foHkkx ds th&7 l Hkkxkj ea fd; k x; kA l feukj ds eq; vfrfFk Jh
ykycgknj "kkL=h jk'Vh; l l Ñr fo | kihB] ubl fnYyh ds dyifr iks
okpLifr mik; k; FkA lekjk dh v/; {krk iks xq nkl vxoky ¼ i; kr
i; kbj .kfon~ , oa l okfuok iks j Hkkjrh; iks| kfxdh l l Fkku] dkuig½ us
dhA

Workshop on Public Administration
 “प्रशासनिक सेवाओं में नैतिक एवं मानवीय मूल्य”
 1-2 मई, 2010



द्विदिनीय, राष्ट्रीय कार्यशाला “प्रशासनिक सेवाओं में नैतिक एवं मानवीय मूल्य” 1-2 मई 2010 काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, मालवीय मूल्य अनुशीलन केन्द्र एवं राजनीति शास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन सामाजिक विज्ञान संकाय, प्रो० एच.एन. त्रिपाठी स्मृति संगोष्ठी कक्ष में हुआ।



dk; Ðe dh v/; {krk i kð cãno fl g ¼ DVj} dk"kh fglñw fo"ofò | ky; ½ us
dhA bl dk; Ðe ea nšk ds fofHkUu {ks=ka l s vk, f"kkfon~ vk} i z'kkl fud
vf/kdkfj; ka us Hkkx fy; kA ftuea e[; Fk&i kð , Odð e[kks k/; k; ¼ dksydÜkk¼
Jh jkdšk dækj egrk ¼e[; l fpo] fnYyh ljdkj¼ Jh jkdšk feÜky
¼vodk" k iklr iæ[k l fpo] mÜkj insk ljdkj¼ Jh fxjh" k ik.Ms ¼k; dj
vk; Ør] Hkkjr ljdkj¼ Jh "kSytkdkUr feJ ¼ OMhOthO ifyl] mÜkj insk¼
Jh , lO, uOf l g ¼vodk" k iklr ofj' B izlU/kd] Vkvk ekV l ¼ Jh ine tax
¼mi e[; y[k ijh{ k vf/kdkjh] mÜkj insk ljdkj¼ Jh "; ke/kj frokjh
¼okf.kT; dj vf/kdkjh] mÜkj insk ljdkj¼ Jh l kës k frokjh ¼ a Ør
vk; Ør] dLVe , .M , DI kbt] Hkkjr ljdkj¼ Jh bUnqdkUr nhf{kr ¼; yks
iæ[k] i hOvhOvkbD½ vkfnA

ʼl kekʼtd : i kʼrj.k vʼʂ ifjorʼu %HkʼDr vkʼkʂy dʼk i Hkko** foʼk; d l ʼkʂBh
 National Seminar on Social Transformation and Change: The Dynamics of the Bhakti
 Movement



dyk l ʼdk; ,oa ekyoh; eʼ; vuʼqʼhyu dʼʂnz dʂ l ʼpʼr rʼʼoko/kku ea
 ʼl kekʼtd : i kʼrj.k vʼʂ ifjorʼu %HkʼDr vkʼkʂy dʼk i Hkko** foʼk; d , d fnol h;
 l feukj dʼk vk; kʂtu 27 fl rʼʼcʂ 2010 dʂs dyk l ʼdk; dʂ jk/kʼkʼNʼ.ku gʂy ea gʂʂkA
 dʂ; Dʂe dh v/; {krk jʂVj} dʂʼkh fgʂnw foʼofolky; i kʂ cʂʂno fl gʂ us dhA l ʼʂk
 ykʂ l ʼʂk vk; kʂ dʂ l nL; i kʂ i qʼkʂʂke vxʂky dʂ; Dʂe dʂ eʼ; vʂrʂfk FkA bl
 dʂ; Dʂe ea dʂʂnz dh v) bʂʂʂkʂ if=dʂ ʼeʼ; &foeʼkʂ dʂ tʂykoʂ 2010 ʂʂʂokʂ vʂʂ dʂ
 foekʂu eʼ; vʂrʂfk }kʂk fd;k x; kA